Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

भारत लोग और अर्थव्यवस्था

कक्षा -12

अध्याय -2

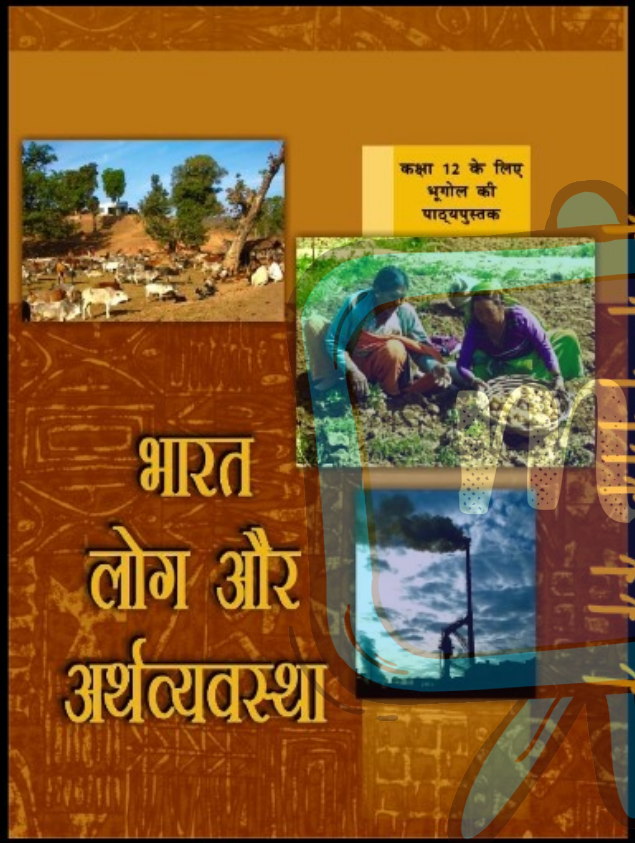
मानव बस्तियाँ

भाग - 1

पंकज वैष्णव

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



विषय-सूची

	आमुख	iii
	पाठ्यपुस्तकों में पाठ्य सामग्री का पुनर्संयोजन	v
	इकाई I	
1.	जनसंख्या : वितरण, घनत्व, वृद्धि और संघटन	1-14
	इकाई II	
2.	मानव बस्तियाँ	15-20
	इकाई III	
3.	भूसंसाधन तथा कृषि	21-40
4.	जल-संसाधन	41-52
5.	खनिज तथा ऊर्जा संसाधन	53-64
6.	भारत के संदर्भ में नियोजन और सततपोषणीय विकास	65-73
	इकाई IV	
7.	परिवहन तथा संचार	74-83
8.	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार	84-92
	इकाई V	
9.	भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ	93-103
	परिशिष्ट	104-111
	शब्दावली	112
	संदर्भ पुस्तकें	113-114

© NCERT not to be republished

C-2 : प्रवास - प्रकार, कारण, परिणाम ×
C-3 : मानव विकास ×
C-4 : निर्माण उद्योग ×

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

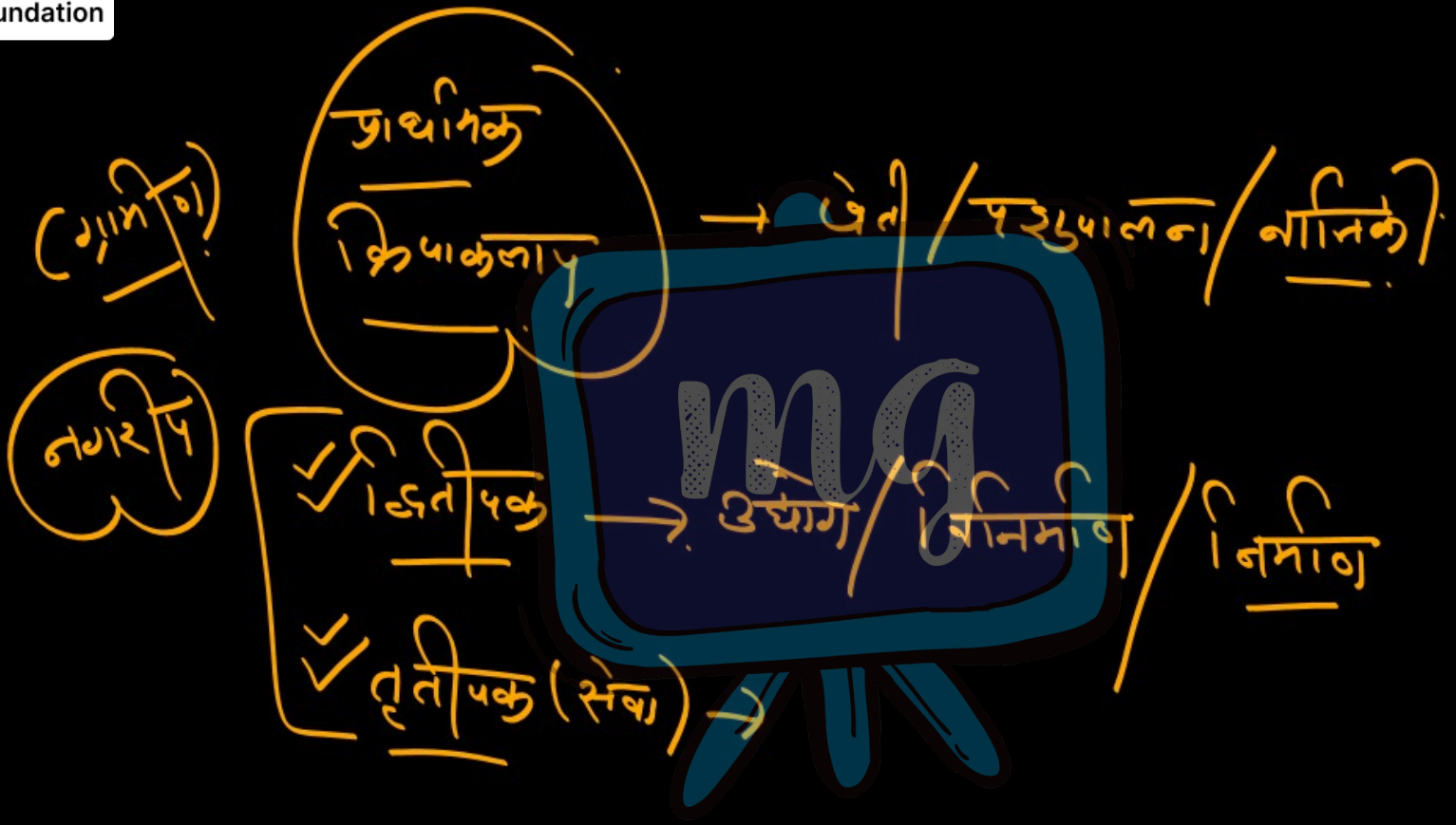
विश्व जनसंख्या दिवस
11 जुलाई

बस्ती की परिभाषा

- मानव बस्ती विभिन्न आकार एवं प्रकार के घरों का समूह है जिसमें मानव निवास करता है।
  - बस्ती
    - लोगों का समूह
    - क्षेत्र का आवंटन
- बस्ती एक पल्ली (ढाणी) से लेकर महानगर तक हो सकती है।
- विरल रूप से छोटी बस्तियों जिनमे कृषि व अन्य प्राथमिक क्रियाकलाप प्रमुखता से होते हैं, गाँव कहलाते हैं।
- बड़े आकार की बस्तियों को नगरीय बस्तियों के नाम से जाना जाता है। यहाँ द्वितीयक एवं तृतीयक क्रियाकलापों में विशिष्टता होती है।

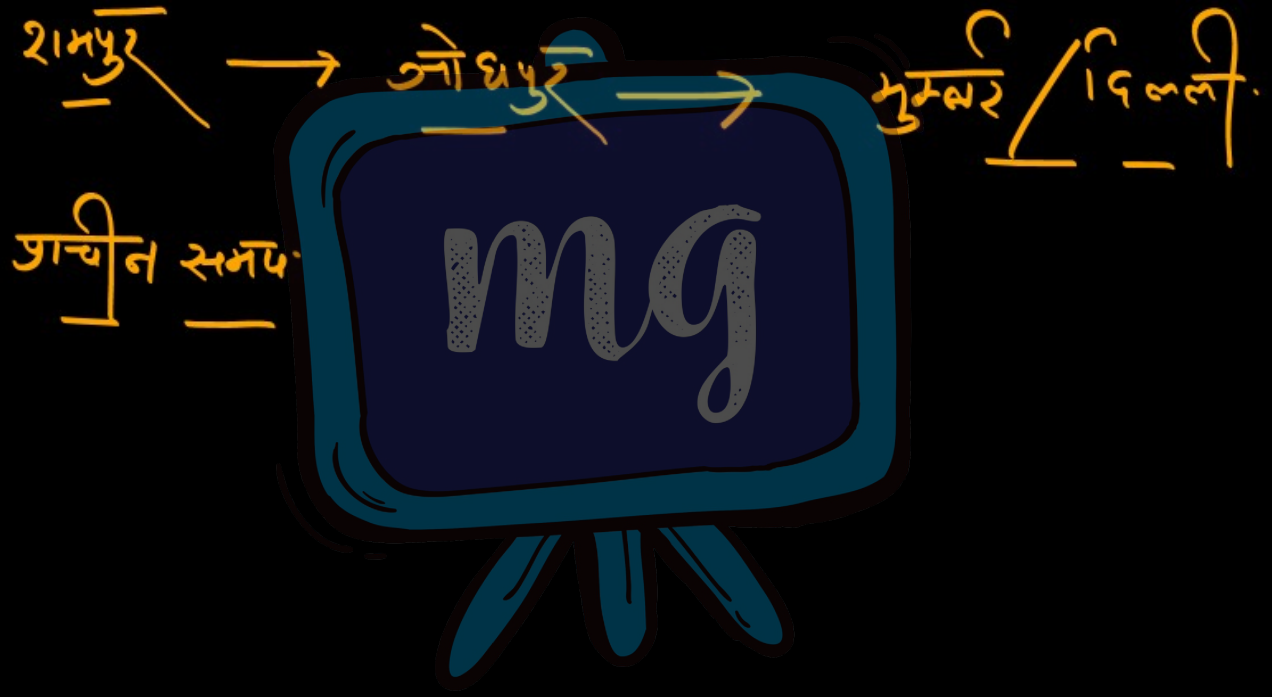
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

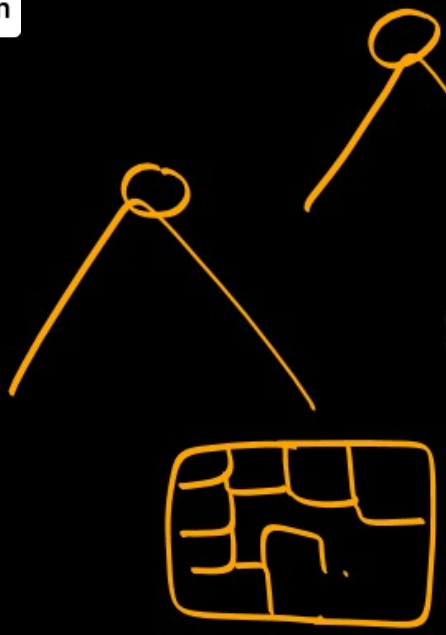
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



ग्रामीण बस्तियाँ	नगरीय बस्तियाँ
प्राथमिक क्रियाकलाप प्रमुखता से होते हैं।	द्वितीयक व तृतीयक क्रियाकलाप प्रमुखता से होते हैं।
नगरों को भोजन व कच्चे माल की आपूर्ति करते हैं।	गाँवों को निर्मित वस्तु तथा सेवाओं को प्रदान करते हैं। अतः दोनों में प्रकार्यात्मक संबंध परिवहन एवं संचार के माध्यम से स्थापित होता है।
ग्रामीण लोग कम गतिशील होते हैं अतः सामाजिक संबंध घनिष्ठ होते हैं।	जीवन शैली जटिल और तीव्र होती है। अतः सामाजिक संबंध औपचारिक होते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



ग्रामीण बस्तियों के प्रकार

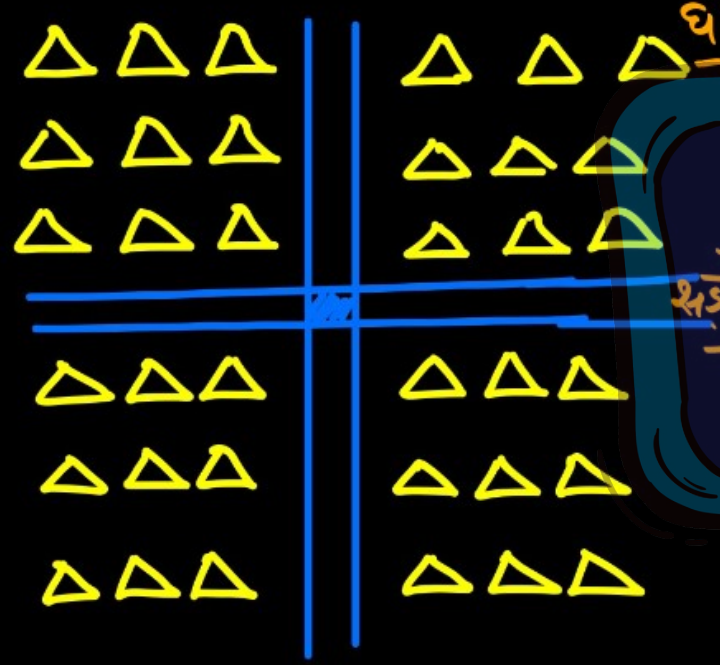
- ग्रामीण बस्तियों के प्रकार निर्मित क्षेत्र के विस्तार एवं घरों के बीच की दूरी के आधार पर निश्चित किये जाते हैं।
- ग्रामीण बस्तियों के विभिन्न प्रकारों के लिए भौतिक लक्षणों के साथ-साथ सांस्कृतिक, मानवजातीय कारक तथा सुरक्षा संबंधी कारक भी उत्तरदायी होते हैं

भारत की ग्रामीण बस्तियों को चार प्रकारों में रखा जा सकता है।

1. गुच्छित
2. अर्ध-गुच्छित
3. पल्लीकृत
4. परिक्षिप्त अथवा एकाकी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. गुच्छित/संकुचित/आकेन्द्रित बस्तियाँ (Clustered Settlements)

घरों का एक सामूहिक अथवा संकुचित रूप से निर्मित क्षेत्र गुच्छित बस्ती कहलाता है- मध्य भारत के बुंदेलखण्ड क्षेत्र, नागालैण्ड तथा राजस्थान में इस प्रकार की बस्तियाँ प्रमुख रूप से मिलती हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



गुच्छित/संकुचित/आकेन्द्रित बस्तियाँ (Clustered Settlements)



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

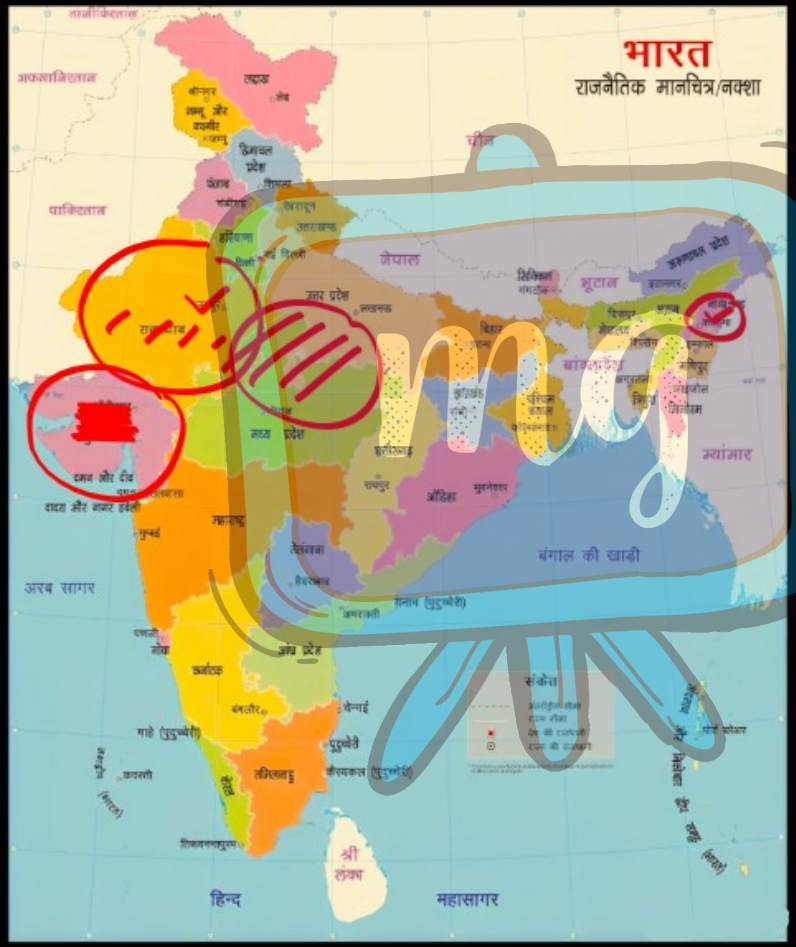


2. अर्धगुच्छित/विखंडित बस्तियाँ (Semi-Clustered) :

ऐसी बस्ती किसी एकाकी (परिक्षिप्त) बस्ती के किसी सीमित क्षेत्र में गुच्छित होने के कारण बनती है। ऐसी बस्तियाँ किसी बड़े गाँव के विखंडन या पृथक होने के परिणाम से भी उत्पन्न हो सकती है। गुजरात के मैदान एवं राजस्थान के कुछ भागों में ऐसी बस्तियाँ व्यापक रूप से मिलती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



अर्धगुच्छित/विखंडित बस्तियाँ (Semi-C



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



3. पल्ली बस्तियाँ (Hamleted Settlem

भौतिक रूप से एक-दूसरे से पृथक बि

पल्ली बस्तियाँ कहते हैं। इन्हें अलग-अल

पान्ना, पाडा, पाली, नगला, ढाणी इत्यादि व

है। मध्य व निम्न गंगा के मैदान, छत्तीसगढ़,

की निचली घाटियों में प्रमुखता से पाये जा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



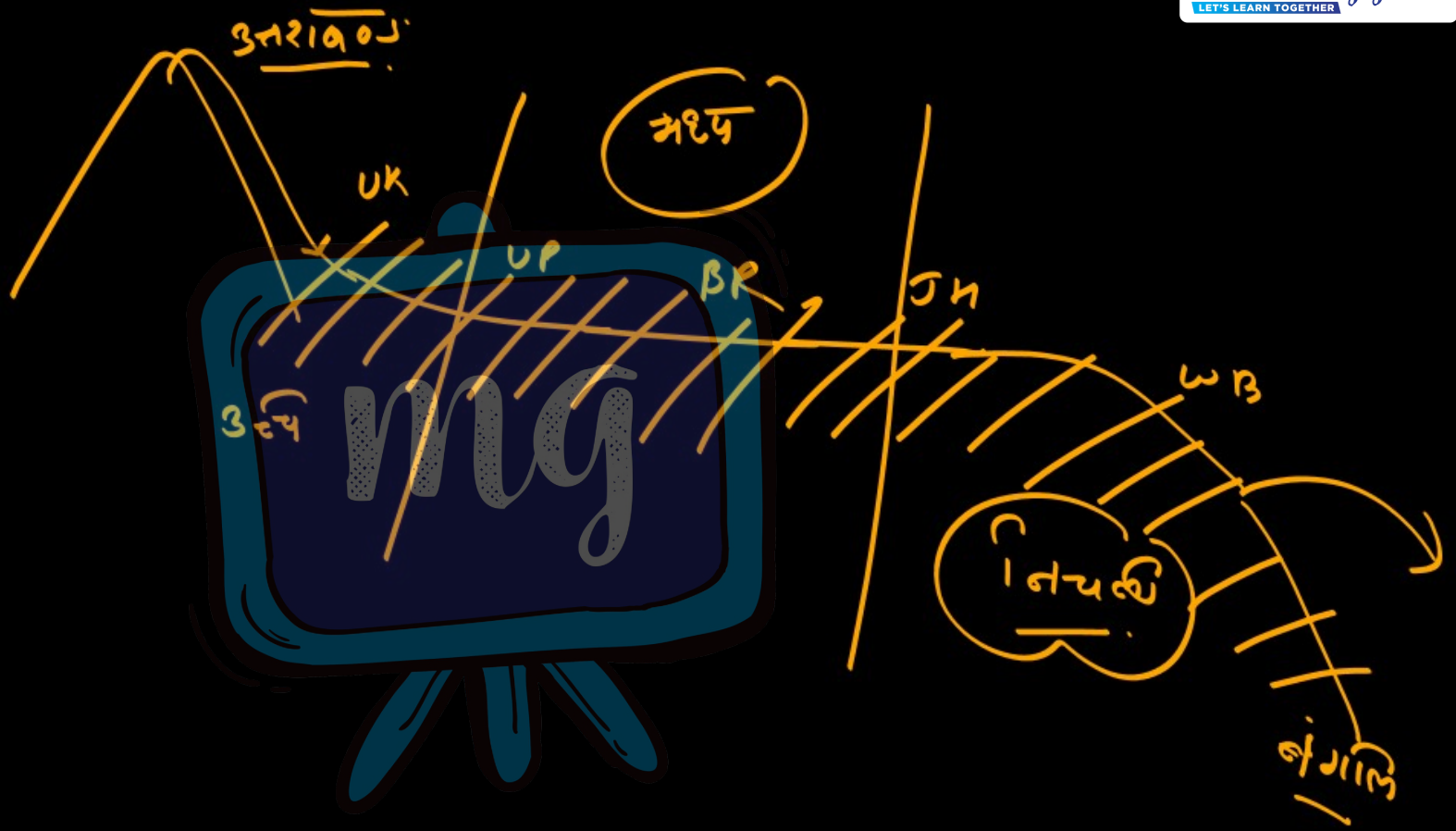
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

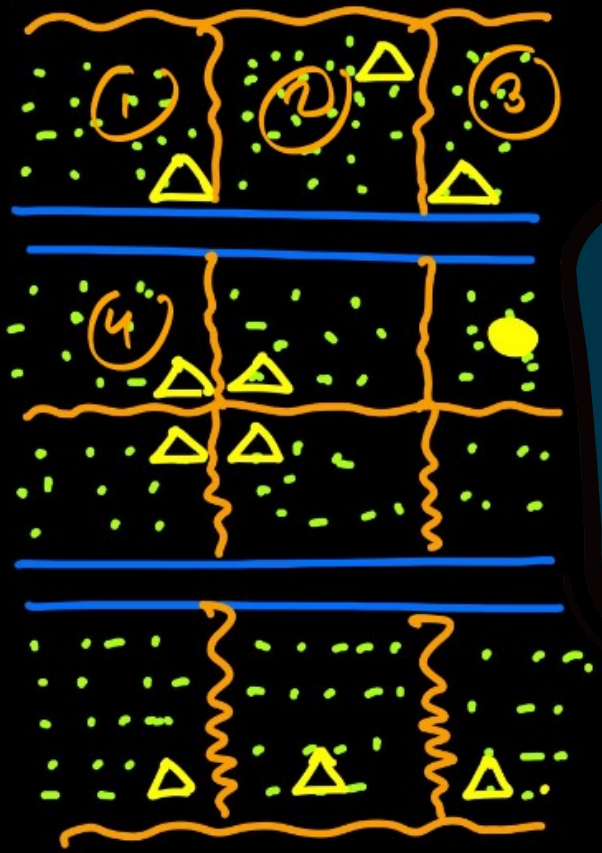
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

पल्ली बस्तियाँ (Hamleted Settlements)



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



4. परिक्षिप्त बस्तियाँ (Dispersed Settlements) :

एकाकी बस्तियाँ सुदूर जंगलों अथवा छोटी पहाड़ियों के ढालों पर, खेतों में या चरागाहों में प्रमुख रूप से दिखाई देती हैं। भारत के पर्वतीय भागों तथा केरल राज्य में इस प्रकार की बस्तियाँ हैं।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

